भा रा रा प्रा
NHAI
भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

भारतमाला
प्रगति के पथ पर अग्रसर

प्रगति
की नई गति

उत्तर प्रदेश
सबको जोड़ रहीं सड़कें

उत्तर प्रदेश में 2014 तक राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 7,698 किमी थी। 2018 में यह बढ़कर 12,293 किमी पहुंच गई है। पिछले चार साल में 4,595 किमी नए एनएच जोड़े गए हैं। 35,000 करोड़ की लागत वाले एनएच की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बन रही है। सीआरएफ के तहत उप्र की सड़कों में सुधार करने के लिए 12, 911.93 करोड़ आवंटित किए गए हैं। दो नए एक्सप्रेस-वे राज्य से जुड़े हैं। 90 किमी लंबा दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेस-वे के दिल्ली खंड का काम पूरा हो गया है। बाकी काम मार्च, 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य है। 135 किमी लंबे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के बनने से राजस्थान, गुजरात,महाराष्ट्र से आकर उप्र जाने वाले वाहनों का दिल्ली से निकलना आसान हो गया है। इन दोनों एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन मई 2018 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उत्तर प्रदेश में सड़क निर्माण पर 1 लाख 20 हजार करोड़ खर्च करने की योजना है।

जब अच्छी सड़कों का नेटवर्क बनाया जाता है, तो देश की अर्थव्यवस्था भी गतिशील हो जाती है। सड़कें राष्ट्र की नसें और धमनियां हैं, जो विकास की गति को बदलने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि समृद्धि हमारे देश के दूरस्थ कोने तक पहुंच सके।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री

पिछले चार साल में हमने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 1,26,350 किमी तक बढ़ा दी है। 2014 से 2018 के बीच राजमार्ग क्षेत्र में 20% की वृद्धि आई है। पर्यटन स्थलों, सीमा क्षेत्र, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। सड़क, रेल और बंदरगाह के बीच सम्पर्क बढ़ाए गए हैं। इसके माध्यम से बहुआयामी सामाजिक आर्थिक विकास के साथ लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

आने वाले वर्षों में हमने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं पर काम करने की योजना बनाई है।

नितिन गडकरी
केंद्रीय मंत्री
सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, नौवहन एवं जल संसाधन,
नदी विकास और गंगा कायाकल्प

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय राजमार्ग का तेज गति से विकास

नया एनएच +
सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई
वर्ष 2018

13,339 किमी

एनएच लंबाई
वर्ष 2014

7,643 किमी

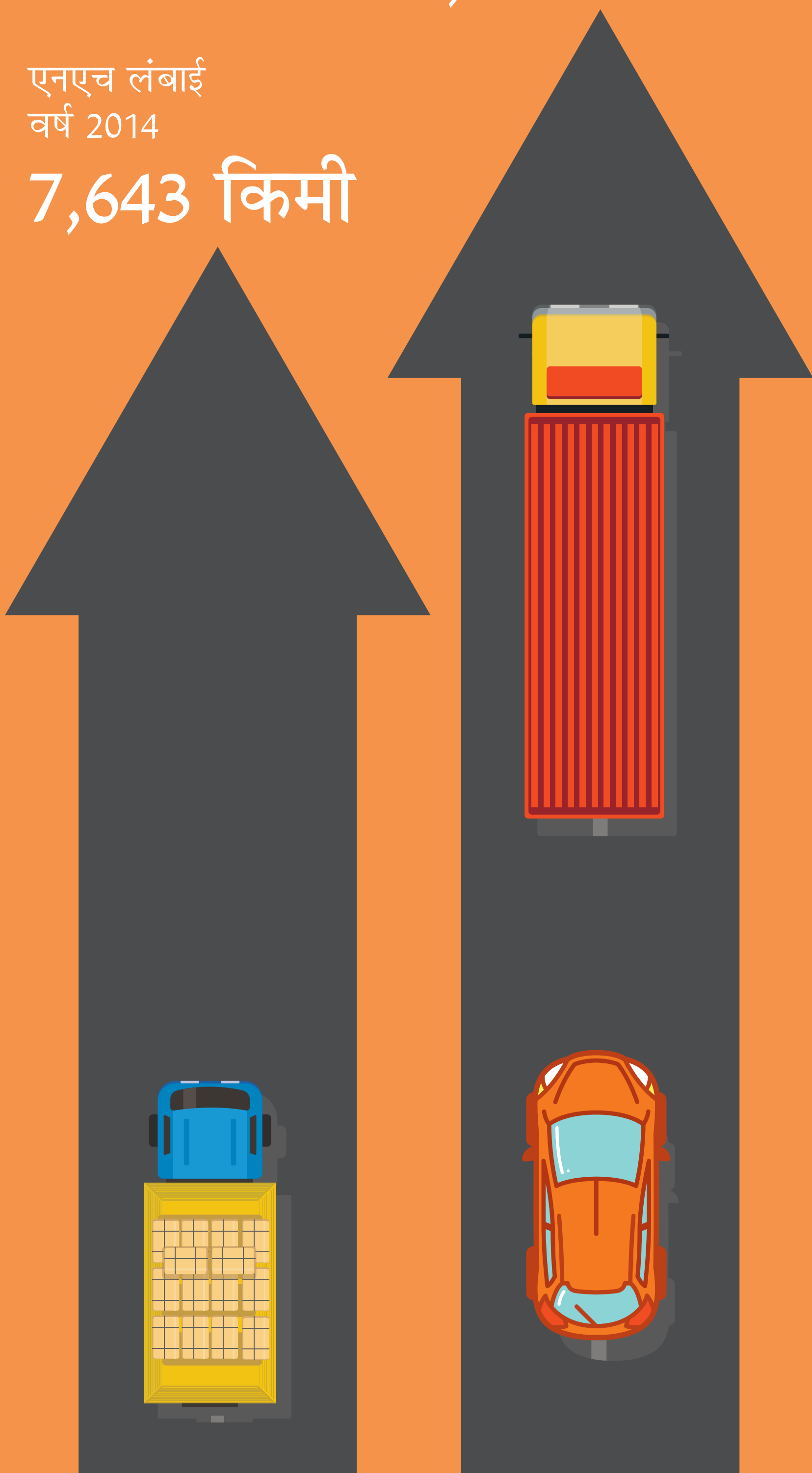

उत्तर प्रदेश में जोड़े गए नए राष्ट्रीय राजमार्ग

1,073 किमी

वर्ष 2010–2014

5,696 किमी

वर्ष 2014–2018

नया एनएच

नया एनएच + सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई

उत्तर प्रदेश में सड़क निर्माण

2,822 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण 4 वर्षों में किया गया है।

उत्तर प्रदेश में अवार्ड सड़क परियोजनाएं

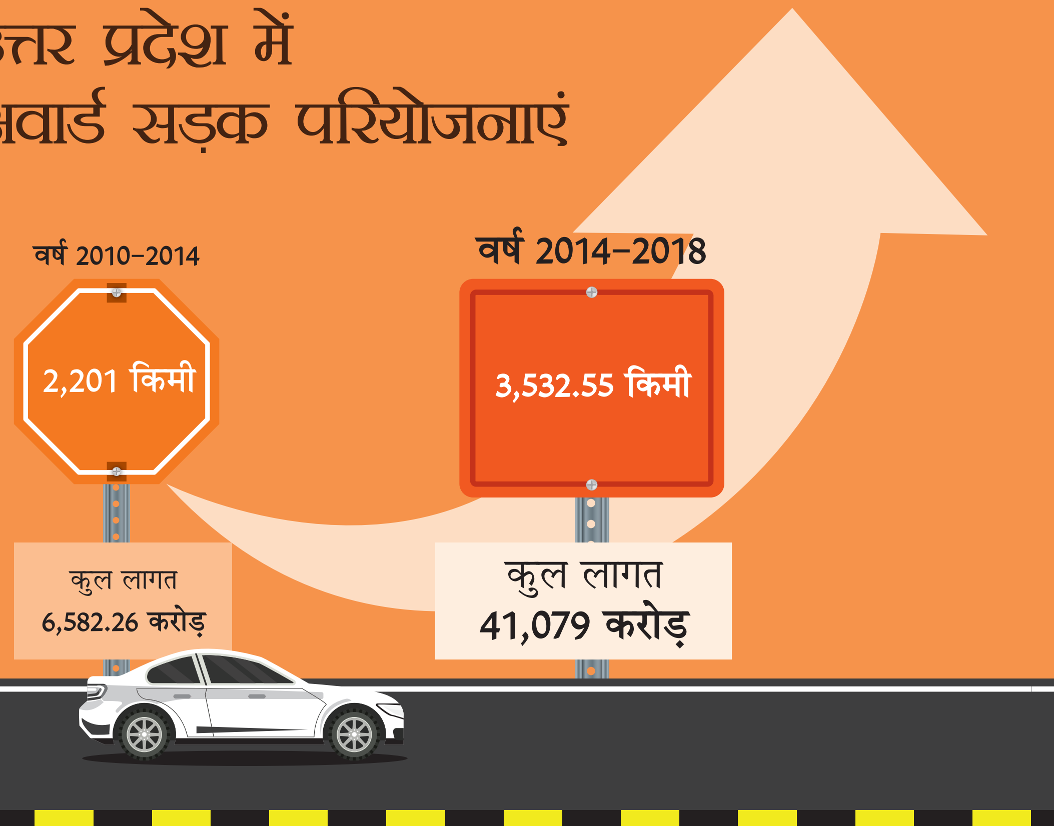

पिछले 4 वर्षों में **41,079 करोड़** लागत की सड़क परियोजनाओं की अवार्ड लागत में **524%** की वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश में सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

वर्ष 2010–2014

परियोजना की सख्या
41

कुल लागत
621 करोड़

वर्ष 2014–2018

परियोजना की सख्या
468

कुल लागत
10,000 करोड़

राज्य में सड़कों में सुधार और पुलों के उन्नयन में सीआरएफ कार्यों में 1,510% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की गई।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख परियोजनाएं

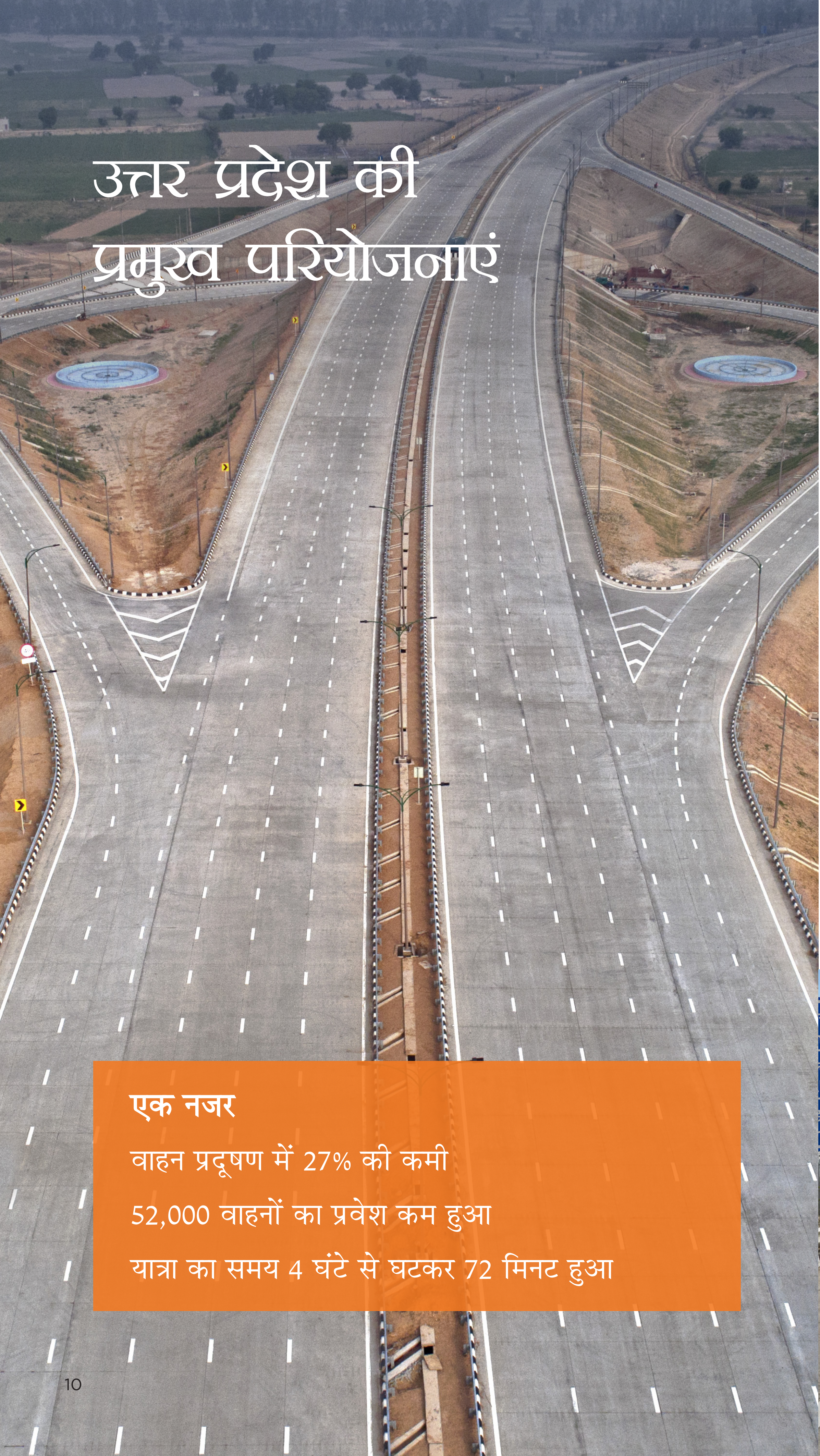

एक नजर

वाहन प्रदूषण में 27% की कमी

52,000 वाहनों का प्रवेश कम हुआ

यात्रा का समय 4 घंटे से घटकर 72 मिनट हुआ

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे

भारत का पहला स्मार्ट एक्सप्रेस-वे बनने से राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र से आकर उप्र जाने वाले वाहनों का दिल्ली से निकलना आसान हो गया है। उप्र जाने वाले वाहन दिल्ली के अंदर नहीं जाएंगे। उनके लिए छह लेन का सीधा मार्ग मिल गया है। एक्सप्रेस-वे कुंडली से शुरू होकर बागपत, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा होते हुए पलवल को जोड़ेगा। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से लगभग 52 हजार वाहन प्रतिदिन सीधे जाने लगे हैं। इससे वाहन से होने वाले प्रदूषण में गाजियाबाद, नोयडा, दिल्ली में 27 प्रतिशत की कमी आई है। यह एक्सप्रेस-वे रिकार्ड समय में बनकर तैयार हुआ है। इसके लिए 910 दिन का समय निर्धारित किया गया था, 500 दिन में बनकर तैयार हुआ। यह ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे सीमेंट कंक्रीट का बना है। जिसमें सड़क के दोनों तरफ हरियाली के लिए 2.5 लाख पौधे लगाए गए हैं। रफ्तार 100 से बढ़ाकर 120 तक कर दी गई है। विश्व स्तरीय टोल प्लाजा, फव्वारे, स्मारकों की प्रतिकृति, प्रमुख पुल और सड़क निर्माण में बेहतर तकनीक का प्रयोग किया गया है। भारत में अपनी तरह का यह नया एक्सप्रेस-वे है। जिसमें सुरक्षित कम समय में अधिक दूरी तय की जा रही है।

27 मई 2018 को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया है।

एक नजर

- **135 किमी** लंबाई
- **11,000 करोड़** रुपये की लागत
- **6 लेन** पूरी तरह से नियंत्रित एक्सप्रेस-वे
- **100%** सौर ऊर्जा का प्रयोग
- **7 इंटरचेंज**
- **8 आरओबी**
- **5 फ्लाईओवर**
- **406 कुल संरचनाएं**

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे

एनएच–24 में सात हजार करोड़ की लागत से 90 किमी लम्बे 14 लेन के दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे का निर्माण तेजी से हो रहा है। पहले चरण का 842 करोड़ की लागत से 9 किमी का निजामुद्दीन से उत्तर प्रदेश सीमा तक का काम पूरा हो गया है। इससे दिल्ली से उत्तर प्रदेश सीमा तक पहुंचने में जहां डेढ़ घंटे का समय लगता था, वहीं अब 12 मिनट लगने लगा है। इस एक्सप्रेस–वे को बनाने के लिए 30 महीने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे 18 महीने के रिकार्ड समय में पूरा किया गया है। 27 मई 2018 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश को समर्पित किया गया है।

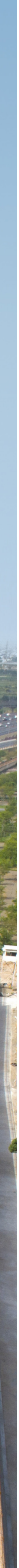

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे

रिंग रोड (निजामुद्दीन ब्रिज से यूपी गेट तक)	पैकेज–1	9 किमी	842 करोड़	मई, 2018 में कार्य पूर्ण	–
दिल्ली/यूपी गेट– डासना	पैकेज–2	19.20 किमी	2500 करोड़	30% जून, 2019	कार्य हो रहा
डासना–हापुड़	पैकेज–3	22.30 किमी	1200 करोड़	70% मार्च, 2019	कार्य हो रहा
पिलखुआ 6 लेन	फ्लाई ओवर	5 किमी	–	–	–
डासना–मेरठ	पैकेज–4	32 किमी	2300 करोड़	25% जून, 2019	कार्य हो रहा
मेरठ कनेक्टर	डीएमई	13 किमी	600 करोड़	नवंबर, 2020	निविदा प्रक्रिया

लखनऊ - कानपुर एक्सप्रेस-वे

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस–वे को आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे से जोड़ा जाएगा। 68 किमी लंबे इस एक्सप्रेस–वे के डीपीआर का काम अंतिम चरण में है। भूमि अधिग्रहण का कार्य राज्य सरकार द्वारा शुरूकर दिया गया है। ट्रांस गंगा को जोड़ने वाली शुक्ला गंज रोड के एनएच–25 पर भी काम शुरू होगा। इससे यातायात का दबाव कम होगा।

लखनऊ कानपुर एक्सप्रेस–वे को लखनऊ रिंग रोड के साथ मिलाया जाएगा। इससे कानपुर में ट्राफिक का दबाव घटेगा तथा लखनऊ हवाई अड्डा जाने वालों का समय बचेगा।

वाराणसी रिंग रोड

वाराणसी रिंग रोड परियोजना के चरण–2 का हिस्सा है। पूरी परियोजना में एक्सेस कंट्रोल मार्ग बनाया गया है। इस परियोजना के पूरा होने से वाराणसी शहर से गुजरने वाले वाहन बाहर से जाएंगे। लखनऊ, गाजीपुर, आजमगढ़ और गोरखपुर के लिए बाहर से सीधा मार्ग मिला है। बायपास के साथ रोड 4 लेन 9.87 किमी लंबे रिंग रोड के पहले चरण का काम अप्रैल 2018 में पूरा हो चुका है।

एक नजर

- **16.55 किमी** लंबाई
- **261.09 करोड़** रूपए लागत
- **2 छोटे पुल**
- **2 आरओबी**

हांडिया- उरई 6 लेन अपग्रेड

एनएच–2 के हांडिया उरई सड़क को 6 लेन तक अपग्रेड किया जा रहा है। 54 किमी लंबी इस सड़क के निर्माण पर 1,813 करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। दिसंबर 2017 से इसका काम शुरू हो चुका है और 2020 में पूरा होगा। इस मार्ग के चौड़ा होने से हांडिया, बड़ौत, गोपीगंज और अन्य चौराहों पर लगने वाला जाम खत्म होगा। इसमें 3 किमी लंबा फ्लाईओवर, 4 छोटे पुल और 9 वाहन अंडरपास, 10 अंडरपास बनाए जाएंगे। 10 से 14 लेन टोल प्लाजा की सड़क होगी। टोल संग्रह हाइब्रिड इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से होगा। सड़क किनारे ट्रकों और बसों के लिए 10 से अधिक ट्रक ले–बाय और बस–बे बनाए जाएंगे। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चौबीस घंटे और सातो दिन गश्त, क्रेन और एम्बुलेंस सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस मार्ग के बनने से इलाहाबाद और वाराणसी के बीच यात्रा में 4 घंटे लगने वाले समय में 1.5 घंटे की कमी आएगी।

एक नजर

- **34 किमी** लंबाई
- **1,813 करोड़** लागत
- **1 फ्लाईओवर**
- **10 अंडरपास**
- **9 वाहन अंडरपास**
- **4 छोटे पुल**

बाबतपुर वाराणसी खंड

बाबतपुर से वाराणसी तक एनएच–56 पर 17.25 किमी लंबी सड़क विकसित की जा रही है। परियोजना मार्च 2018 में शुरू हुई है। इससे इस खंड पर सम्पर्क में सुधार होगा।

आगरा-इटावा खंड

1,664 करोड़ की लागत से 125 किमी लंबा 6 लेन आगरा इटावा बाईपास बनाया जा रहा है। एनएच–19 पर यह परियोजना एनएचडीपी–5 के तहत है। इसमें बीओटी (टोल) होगा। यह परियोजना कमला नगर आगरा से इटावा–कानपुर रोड पर इंदिरा कॉलोनी में समाप्त होगी।

चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग

चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग उत्तर प्रदेश के पांच जिलों बस्ती, फैजाबाद, अम्बेडकर नगर, बाराबंकी और गोंडा से गुजरती है। इस सड़क की लंबाई लगभग 275 किलोमीटर है। मार्च 2017 में सैद्धांतिक रूप से इसे एनएच घोषित किया गया है। इसका डीपीआर बनाया जा रहा है। इस मार्ग को यात्रियों की सुविधा के हिसाब से विकसित किया जाएगा। जिसमें 71 किमी सड़क का दोहरीकरण होगा तथा 182 किमी सड़क को सिंगल लेन में बेहतर बनाया जाएगा। एनएच-27 के पास छवानी के माध्यम से गुजरती है, गोसाइंगंज, अयोध्या, चौरा, अमरगंज, रुडाली, भोरिगंज, राजापुर, नवाबगंज तक सुधार किया जाएगा। सरयू नदी पर 264 करोड़ की लागत से दो पुल भी बनेंगे। एक किमी लंबाई के दो पुल अलग-अलग बनाए जाएंगे। सड़क मार्गों के विकास के साथ अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिये चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग का सौन्दर्यीकरण होगा।

चौरासी कोस के मार्ग निर्माण से यात्रियों का पुत्रकामेष्टि यज्ञस्थल मखौड़ा, श्रृंगी ऋषि आश्रम, दुग्धेश्वर महादेव, आस्तिक, जनमेजय कुंड, रुद्रावली, गौतम ऋषि आश्रम पहुंचना आसान हो जाएगा।

रामवनगमन मार्ग

अयोध्या से चित्रकूट तक एनएच–28,96,731(ए) के 262 किमी मार्ग का विकास किया जाएगा । इस पर 1,250 करोड़ कर्च किए जाएंगे। ये मार्ग अयोध्या से फैजाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, राजापुर जिले के मार्ग विकसित करने का काम शुरू हो गया है।

अयोध्या से फैजाबाद

एनएच–28, अयोध्या फैजाबाद से यह 7 किमी लंबी सड़क एनएचएआई के साथ है और पूर्व–पश्चिम गलियारे (एनएचडीपी–2) के तहत 4–लेन है।

फैजाबाद से प्रतापगढ़

एनएच–96 फैजाबाद से प्रतापगढ़ सुल्तानपुर के माध्यम से यह 95 किमी लंबी सड़क यूपी पीडब्ल्यूडी के साथ है। फैजाबाद से सुल्तानपुर तक सड़क का विकास टोल प्लाजा को छोड़कर पूरा कर लिया गया है। सुल्तानपुर से प्रतापगढ़ तक सड़क के लिए काम अवार्ड हो गया है।

प्रतापगढ़ से चित्रकूट

एनएच–731 (ए) प्रतापगढ़ से चित्रकूट, जेठवाड़ा, श्रृंगवेरपुर, मंजंजपुर, राजापुर के माध्यम से इस सड़क की लंबाई लगभग 160 किमी है। इसे मार्च 2015 में एनएच घोषित किया गया है। इस सड़क का डीपीआर पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया जा रहा है। इस योजना का विकास वार्षिक योजना 2018–19 के तहत प्रस्तावित किया गया है।

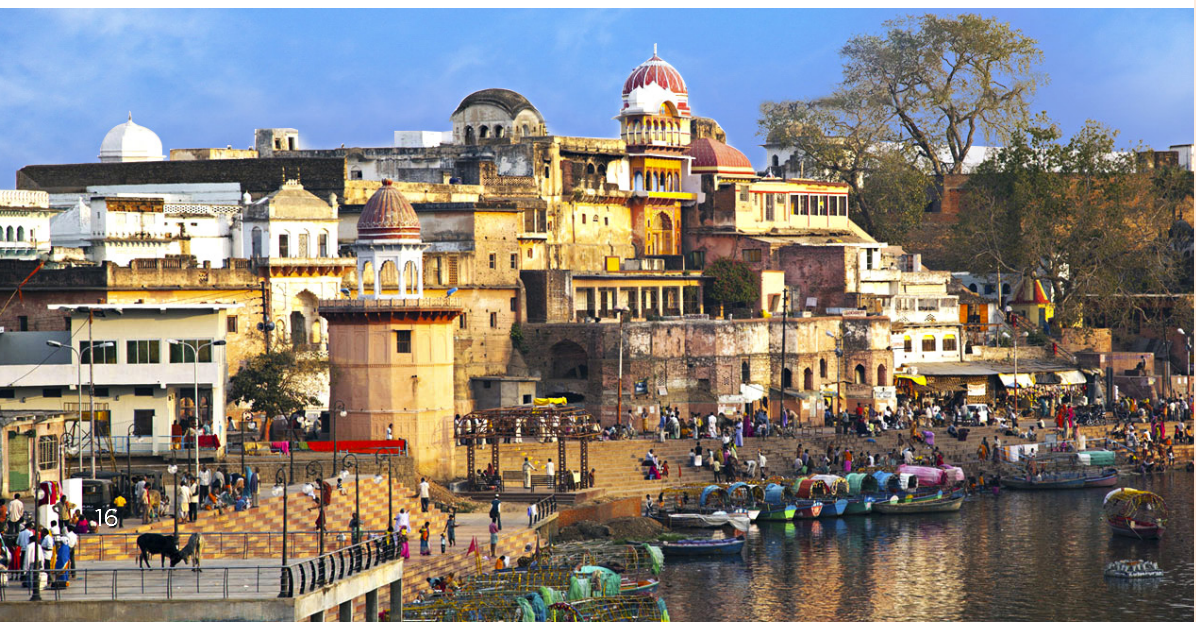

बुद्ध सर्किट

बुद्ध सर्किट में 945 किमी की सड़क को 4 से 6 लेन में विकसित किया जा रहा हैं। इस पर 10,000 करोड़ रूपए खर्च किए जा रहे हैं। इसमें सारनाथ, गोरखपुर, बस्ती, लखनऊ, कानपुर मार्ग का विकास होगा। बुद्ध सर्किट सभी उच्च महत्व बौद्ध धर्म के पवित्र स्थलों के स्थान शामिल हैं। भगवान बुद्ध का जन्म हुआ, ज्ञान प्राप्त, पहला उपदेश और पहुँच निर्वाण का प्रचार किया।

गया से कुशीनगर

गया से कुशीनगर तक 4–लेन सड़क निर्माण का काम पूरा हो गया है।

कुशीनगर से सिद्धार्थनगर

कुशीनगर से गोरखपुर खंड तक एनएचएआई द्वारा पहले से ही 4–लेन किया जा चुका है। 2–लेन पेव्ड शोल्डर का काम हाल ही में गोरखपुर से सिद्धार्थनगर तक वाया फरेंदा मंत्रालय द्वारा 18 किलोमीटर का काम पूरा किया जा चुका है।

बुद्धिस्ट सर्किट मैप

बुद्ध सर्किट

सिद्धार्थनगर से श्रावस्ती

सिद्धार्थनगर से श्रावस्ती के लिए दो लेन पेव्ड शोल्डर दो पैकेजों में तुलसीपुर से कार्य मंत्रालय द्वारा अवार्ड कर दिया गया है। सिद्धार्थनगर से 15 किमी की दूरी वाले तुलसीपुर का काम डीएलपी के अधीन है।

सिद्धार्थनगर से वाराणसी

आजमगढ़ और अम्बेडकर नगर होते हुए वाराणसी से टांडा (एनएच –233) की सड़क एनएचएआई द्वारा 4–लेन बनाई जा रही है। मंत्रालय द्वारा टांडा से बस्ती तक 2–लेन सड़क निर्माण का काम पूरा कर लिया गया है। बस्ती से सिद्धार्थनगर तक दो लेन पेव्ड शोल्डर सड़क विस्तार का काम मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।

वाराणसी से कुशीनगर तक

गाजीपुर से मऊ होकर वाराणसी से गोरखपुर तक 4–लेन सड़क का काम एनएचएआई द्वारा कराया जा रहा है। इसके अलावा गोरखपुर से कुशीनगर तक की सड़क एनएचएआई द्वारा पहले ही 4–लेन कर दी गई थी।

रामजानकी मार्ग

अयोध्या से जनकपुरी (नेपाल) तक एनएच-227 (ए) में 218 किमी मार्ग का विकास किया जाएगा। इस पर 1,000 करोड़ रूपए खर्च किए जा रहे हैं। अयोध्या से बिहार होते हुए नेपाल जाने वाले मार्ग के विकास का कार्य शुरू हो चुका है।

अयोध्या को नेपाल में जनकपुर से जोड़ने के लिए भारत-नेपाल सीमा से जुड़े शहर छत्ती, कालवारी, बरहलगंज, बरहाज, सिवान, चाकिया, मधुबनी, सीतामढ़ी तक सड़कों को विकसित किया जा रहा है। अयोध्या-छावनी-कलवारी बरगलगंज-बरहाज-सिवान-चकिया की सड़क मार्च 2015 को एनएच-227 (ए) के रूप में घोषित की गई है। उत्तर प्रदेश में राम जानकी मार्ग की लंबाई 218 किमी है। इसके डीपीआर का काम प्रगति पर है। इस सड़क का विकास वार्षिक योजना 2018-19 के पहले चरण के तहत किया जाएगा।

मेरठ बुलंदशहर खंड

एनएच-235 में 869 करोड़ की लागत से मेरठ के विक्टोरिया पार्क से बुलंदशहर में पल्लव विहार के बीच 61 किमी लंबी 4 लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस मार्ग के बनने से बुलंदशहर, अनूपशहर जाना आसान हो जाएगा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे से जाकर आगे चार लेन सड़क मिलेगी। यह परियोजना एनएचडीपी-4 के तहत बनाई जा रही है। इस काम को अक्टूबर 2019 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

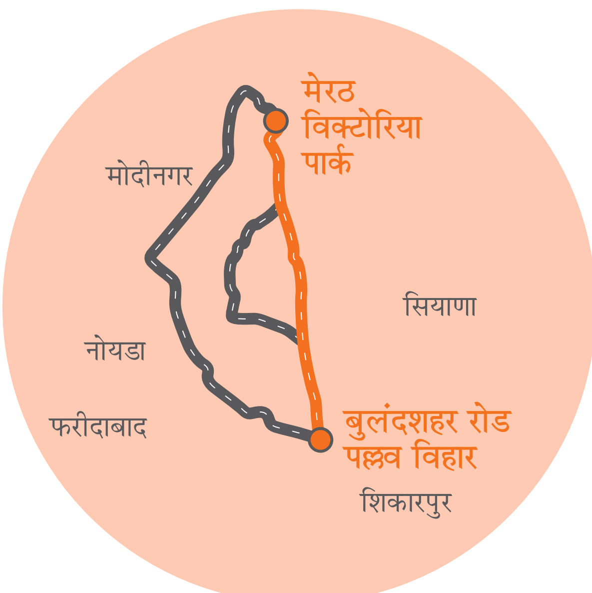

दिल्ली-सहारनपुर राजमार्ग

दिल्ली–सहारनपुर राजमार्ग परियोजना दिल्ली–बिलासपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर का भाग है। 150 किमी लम्बे दिल्ली–सहारनपुर कॉरिडोर का 10,000 करोड़ रू. की लागत से निर्माण किया जाएगा। इस मार्ग का निर्माण भारतमाला परियोजना के तहत स्वीकृत किया गया है। यह मार्ग दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे (एनएच–9) में अक्षरधाम क्लाईओवर से शुरू होगा। इसकी मार्ग रेखा दिल्ली में लगभग 15 किमी गीता कॉलोनी और पुश्ता रोड से होकर लोनी–सहारनपुर रोड को जोड़ते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे क्रासिंग से सहारनपुर बाईपास तक होगी। अक्षरधाम फ्लाईओवर से ईपीई क्रॉसिंग तक 31 किमी खंड का डीपीआर कार्य प्रगति पर है। इस मार्ग का निर्माण कार्य दिसंबर, 2018 तक अवार्ड कर दिया जाएगा। इस खंड के निर्माण की लागत 2,000 करोड़ रुपये होगी। इस खंड में 31 किमी के यातायात को सुगम बनाने एवं मार्ग को सिग्नल मुक्त करने के लिए 8/6/4 लेन के रूप में सर्विस रोड फ्लाईओवर, आरओबी, पुल का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद ईपीई से सहारनपुर बाईपास तक कॉरिडोर को दो चरणों में विकसित किया जाएगा।

पैकेज–1 अक्षरधाम (दिल्ली) से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे (ईपीई)

30 किमी, 2,500 करोड़

- मार्च, 2019 में अवार्ड और दिसम्बर में निविदा आमंत्रित
- सिग्नल फ्री एलिवेटेड रोड

पैकेज–2 ईपीई से शामली तक चार लेन (एनएच–709 (बी)

62 किमी, 749 करोड

अगस्त 2018 में अवार्ड कर दिया गया है। सितम्बर में शिलान्यास हो गया है।

पैकेज–3 शामली से सहारनपुर चार लेन (एनएच–709(बी)

62 किमी, 794 करोड

सितम्बर 2018 को निविदा और सितम्बर में शिलान्यास हो गया है।

लखनऊ रिंग रोड

लखनऊ में आउटर रिंग रोड बनाया जा रहा है, इसमें चार लेन सड़क एवं चार लेन की सर्विस रोड बनाई जा रही है। इस आउटर रिंग रोड को एनएच–24, 24 (बी), 25 से जोड़ा जा रहा है। साथ ही एनएच–28 और 56 को जोड़कर शहर में आने वाले ट्राफिक को रोका जाएगा। यह सड़क लखनऊ और बाराबंकी को जोड़ती है।

एक नजर

- **15 किमी** लंबाई
- **388 करोड़** रूपए लागत
- **इंटरचेंज** पर फैजाबाद रोड
- **क्लाईओवर** देव रोड पर
- **2 वाहन अंडरपास**
- **बड़े पुल**
- **6 छोटे पुल**

फाफामऊ ब्रिज, इलाहाबाद

इलाहाबाद में 2,000 करोड़ रू. की लागत से एनएच–96 पर गंगा नदी पर विद्यमान दो लेन सेतु के समानान्तर नये छः लेन सेतु के निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है। इस परियोजना का डीपीआर बन गया है। गंगा नदी पर प्रस्तावित 6 लेन सेतु के निर्माण होने से कानपुर / लखनऊ / रायबरेली / फैजाबाद / प्रतापगढ, वाराणसी आदि शहरो से यात्रा के समय को इलाहाबाद शहर तक काफी कम कर देगा, और प्रस्तावित सेतु के माध्यम से यातायात में आवागमन और सुलभ होगा। इस सेतु के बन जाने से इलाहाबाद शहर के यातायात को इलाहाबाद बाईपास तक मिलाया जा सकेगा। इसके साथ ही मौजूदा चार लेन वाला लाला लाजपत राय मार्ग के जंक्शन पर चौराहे के द्वारा इलाहाबाद शहर में यातायात के उचित फैलाव को सुनिश्चित करेगा। यह इलाहाबाद में कुंभ और अर्धकुंभ में धार्मिक स्थलों से कनेक्टिविटी में भी सुधार करेगा।

एक नजर

- **9.9 किमी** लंबाई
- **3.83 किमी** ब्रिज की लंबाई
- **6 लेन**
- **2,000 करोड़** लागत
- **750 मीटर** लंबा पुल इलाहाबाद की तरफ
- एनएच–96 और एनएच–24 (बी) पर फ्लाईओवर की लंबाई **64.5 मीटर**
- **860 मीटर लंबी 33 मीटर** चौड़ी सुपर संरचना
- **30.2 मीटर** चौड़ा पुल

उत्तर प्रदेश में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम सख्या	लोकसभा क्षेत्र	कार्य का नाम	एनएच	स्वीकृत लागत (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	फरीदाबाद, मथुरा, फत्तेहपुर सीकरी, आगरा	दिल्ली – आगरा	2	1,928	179.5	अक्टूबर–12	जून–18
2	बागपत, गाजियाबाद	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पैकेज–11	एनई–2	756	24.5	सितम्बर–15	अप्रैल–18
3	गौतमबुद्ध नगर	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पैकेज–4	एनई–2	985	22	सितम्बर–15	अप्रैल–18
4	गौतम बुद्धनगर, फरीदाबाद	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पैकेज–5	एनई–2	829	21	सितम्बर–15	अप्रैल–18
5	फरीदाबाद	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे पैकेज–6	एनई–2	959	22	सितम्बर–15	अप्रैल–18
6	गाजियाबाद, मेरठ	दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस–वे पैकेज–4	24	1,087.07	31.77	फरवरी–18	दिसम्बर–20
7	वाराणसी, भदोही, इलाहाबाद	हंडिया–वाराणसी	2	–	72.39	दिसम्बर–17	मई–20
8	अम्बेडकरनगर, संत कबीर नगर और लालगंज	घाघरा ब्रिज से वाराणसी पैकेज–1	233	674	58.62	दिसम्बर–15	दिसम्बर–18
9	घोशी, बलिया, गाज़ीपुर	वाराणसी– गोरखपुर पैकेज–3	29	840	65.38	अप्रैल–17	अक्टूबर–19
10	घोशी, गोरखपुर, बंसगांव	वाराणसी– गोरखपुर पैकेज–4	22	1030	65.62	अप्रैल–17	अक्टूबर–19
11	गोरखपुर	गोरखपुर बायपास	29 ई	531	18.25	मई–17	मई–19
12	लखनऊ	बेहटा–सीतापुर बायपास	24	981	32.9	नियत तारीख लंबित	–
13	बाराबंकी, लखनऊ	लखनऊ रिंग रोड पर 4 लेन बायपास का निर्माण पैकेज–3बि)	28	–	14.7	अगस्त–17	अक्टूबर–18
14	बाराबंकी, लखनऊ	लखनऊ रिंग रोड	28, 24	300	15	नियत तारीख लंबित	–
15	मोहनलाल गंज, लखनऊ	बेहटा बायपास	56	899	32	नियत तारीख लंबित	–
16	मोहनलाल गंज, बाराबंकी, अमेठी, सुल्तानपुर	लखनऊ – सीतापुर	56	3216	127.4	जनवरी–16	सितम्बर–19
17	अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर, अमेठी, रायबरेली	अम्बेडकर नगर (टांडा) –रायबरेली	232	636	155.9	अप्रैल–14	सितम्बर–18
18	रायबरेली, फतेहपुर, बांदा	रायबरेली– बांदा	232	424.29	133.28	अप्रैल–14	सितम्बर–18
19	रायबरेली, कौशम्बी, फूलपुर	रायबरेली–इलाहाबाद	24बी	291	119	जुलाई–12	दिसम्बर–18
20	वाराणसी, चंदौली	वाराणसी रिंग रोड (पैकेज–2) रेवासा गांव के साथ संद: गांव को जोड़ती है।	2–29	949	27.27	नियत तारीख लंबित	–
21	वाराणसी	वाराणसी रिंग रोड पैकेज–1	2–56	405.67	17	नियत तारीख लंबित	–
22	लालगंज, आजमगढ़	घाघरा ब्रिज से वाराणसी पैकेज–2	233	741	59.95	जनवरी–16	जून–18

उत्तर प्रदेश में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम सख्या	लोकसभा क्षेत्र	कार्य का नाम	एनएच	स्वीकृत लागत (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
23	लालगंज, मछली शहर, चंदौली, वाराणसी	घाघरा ब्रिज से वाराणसी पैकेज-3	233	785	59.07	जनवरी-16	जून-18
24	वाराणसी, गाज़ीपुर	वाराणसी- गोरखपुर पैकेज-2	29	869	72.15	मार्च-15	सितम्बर-19
25	वाराणसी	वाराणसी बायपास	29-56	261	16.55	मई-15	जून-18
26	सुल्तानपुर, जौनपुर, प्रतापगढ़	सुल्तानपुर- वाराणसी पैकेज-1	56	986	74.53	जनवरी-16	जून-18
27	मछली शहर, जौनपुर, वाराणसी	सुल्तानपुर- वाराणसी पैकेज-2	56	806	63.36	जनवरी-16	जून-18
28	वाराणसी, चंदौली, मिर्जापुर	वाराणसी-देवमापुर पैकेज-1	7	670.5	34	नियत तारीख लंबित	-
29	मिर्जापुर	लालगंज-हनुमना पैकेज-3	7	677.07	43.4	नियत तारीख लंबित	-
30	मिर्जापुर	देवमापुर- लालगंज पैकेज-2	7	770.04	47.7	नियत तारीख लंबित	-
31	आगरा, फिरोज़ाबाद, मैनपुरी, इटावा	आगरा, इटावा बायपास	2	1,664	124.5	अगस्त-16	जनवरी-19
32	अलीगढ़, हाथरस	अलीगढ़-कानपुर पैकेज-1	91	1,065.7	46	नियत तारीख लंबित	-
33	नोएडा, अलीगढ़, बुलंदशहर	गाजियाबाद-अलीगढ़	91	-	126	फरवरी-11	जून-18
34	मैनपुरी	अलीगढ़-कानपुर (पैकेज-3) [कल्याणपुर - नेविगंज]	91	1,332	61.2	नियत तारीख लंबित	-
35	एटा	अलीगढ़-कानपुर पैकेज-2	91	1,197	45.2	नियत तारीख लंबित	-
36	आमला, शाहजहांपुर, धौरहरा, सीतापुर	बरेली - सीतापुर	24	1,046	151.2	मार्च-11	सितम्बर-18
37	बरेली, पीलीभीत, नैनीताल	सितारगंज बरेली सेक्शन	74	279	74.46	जनवरी-14	-
38	कानपुर देहात, कानपुर नगर, फतेहपुर, कौशम्बी	चेकेरी इलाहाबाद	2	1,926.93	145	नियत तारीख लंबित	-
39	इटावा, कानपुर देहात, कानपुर नगर	इटावा-चेकेरी (कानपुर)	2	-	160.2	मार्च-13	जून-18
40	मेरठ, बुलंदशहर	मेरठ- बुलंदशहर	235	869	61.19	अप्रैल-17	अक्टूबर-19
41	मेरठ, मुजफ्फरनगरह	मेरठ, मुजफ्फरनगर अतिरिक्त कार्य	58	207	78	मार्च-18	-
42	अमरोहा, मुरादाबाद	मुरादाबाद से हापुड़ बायपास अतिरिक्त कार्य का निर्माण	24	-	3	मार्च-17	जून-18
43	मुरादाबाद, रामपुर, बरेली	मुरादाबाद-बरेली	24	1,267	121.3	दिसम्बर-10	मार्च-18
44	अमरोहा, मुरादाबाद	हापुड़ बायपास- मुरादाबाद से हापुड़ बायपास	9 (पुराना 24)	2141	100	नियत तारीख लंबित	-
45	अलीगढ़, मुरादाबाद, संभल, बुलंदशहर	अलीगढ़- मुरादाबाद	93	645	146	जनवरी-17	जुलाई-19

उत्तर प्रदेश में चल रही सड़क परियोजनाएं

क्रम सख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना विस्तार	राष्ट्रीय राजमार्ग	परियोजना लागत (करोड़ रु)	लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ करने की तिथि	संभावित समापन
1	आगरा फतेहपुर सीकरी	आगरा – बीकानेर खंड 2-लेन पेव्ड शोल्डर बनेगा	21	43.37	17.59	मार्च-17	दिसम्बर-18
2	इलाहाबाद	इलाहाबाद-टिकारी खंड 2-लेन पेव्ड शोल्डर बनेगा	35	173.8	49.12	अगस्त-17	फरवरी-19
3	बहराइच	सिसिया-नानपारा खंड का पुनर्वास और उन्नयन	730	164	37	मार्च-17	सितम्बर-18
4	बहराइच और श्रावस्ती	बहराइच और श्रावस्ती खंड का पुनर्वास और उन्नयन	730	295	62	दिसम्बर-17	दिसम्बर-19
5	श्रावस्ती	तुलसीपुर-बरहनी खंड ख लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	730	191	33	मई-17	मार्च-18
6	बाराबंकी और केसरगंज	बाराबंकी- जरवल रोड जक्शन 2 लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	927	273	43	मार्च-15	दिसम्बर-18
7	बस्ती	रूदौली से बस्ती तरफ की सड़क को घाघरा ब्रिज की ओर अपग्रेड किया जाएगा	28	397.5	54	मार्च-15	दिसम्बर-18
8	बांदा	कालूपुर से लालता रोड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर बनाया जाएगा	35	240	41	जनवरी-18	जनवरी-20
9	बांदा/बारा	मऊ और जसरा खंड का 2 लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	35	218	54	अवार्ड	जारी की जाने वाली तारीख
10	गाज़ियाबाद	मेरापुर- तिरहा खंड में सुधार	34	2	1	सितम्बर-16	दिसम्बर-18
11	गाजीपुर सदर	बेसो नदी पर क्षतिग्रस्त ब्रिज 8/1 के लिए अस्थायी मोड़ सड़क का निर्माण	31	2	1	फरवरी-17	दिसम्बर-18
12	43-कानपुर	कानपुर डिवीजन में रेलवे क्रॉसिंग नं 79 (डी) में रोड ओवर ब्रिज	34	45	1	जनवरी-14	दिसम्बर-18
13	43-कानपुर	कानपुर शहर में पुल का निर्माण	34	50.32	0.88	अवार्ड	जारी की जाने वाली तारीख
14	लखीमपुर	खुटार-लखीमपुर खंड का पुनर्वास और उन्नयन	730	213	52	अवार्ड	जारी की जाने वाली तारीख
15	धौरहरा/ शाहजहांपुर	मैगलगंज- पुवायां रोड का 2 लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	730	165	51	अप्रैल-14	दिसम्बर-18
16	लखीमपुर- सीतापुर-धौरहरा	लखीमपुर-सिसिया खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	730	225	49	अवार्ड	जारी की जाने वाली तारीख

उत्तर प्रदेश में चल रही सड़क परियोजनाएं

क्रम सख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना विस्तार	राष्ट्रीय राजमार्ग	परियोजना लागत (करोड़ रु)	लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ करने की तिथि	संभावित समापन
17	लखनऊ	लखनऊ बाईपास को सुदृढ़ बनाना	24	31.57	10.2	जुलाई–17	अप्रैल–18
18	महाराजा सदर/ गोरखपुर	गोरखपुर महाराजगंज मार्ग से कप्तानगंज खंड तक विस्तार और उन्नयन	730	208	33	फरवरी–16	दिसम्बर–18
19	महाराजा सदर/ गोरखपुर	सोनौली–गोरखपुर खंड का विकास	24	494	81.45	मार्च–15	दिसम्बर–18
20	महाराजा सदर/ गोरखपुर	महाराजगंज–कप्तानगंज खंड की चौड़ाई और उन्नयन	730	208	33	फरवरी–16	दिसम्बर–18
21	हमीरपुर	सुगीरा खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण के साथ हरपालपुर सड़क का पुनर्वास और उन्नयन	339	209	41.47	जनवरी–18	सितम्बर–19
22	पीलीभीत	बाघ रिजर्व क्षेत्र को छोड़कर पीलीभीत–पुराणपुर खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	730	177	33	अप्रैल–17	अक्टूबर–18
23	पीलीभीत / शाहजहांपुर	पुराणपुर सड़क का पुनर्वास और उन्नयन के साथ खुटार खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	730	226	44	दिसम्बर–16	जनवरी–18
24	39 प्रतापगढ़	प्रतापगढ़–भुपियामाऊ–प्रतापगढ़ खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	330	34	9.32	फरवरी–14	दिसम्बर–18
25	39 प्रतापगढ़	चिलबिला में रेलवे क्रॉसिंग नं 84(बी) में पुल का निर्माण	330	33	0	मई–14	दिसम्बर–18
26	प्रतापगढ़ और फूलपुर	प्रतापगढ़ सड़क का पुनर्वास और उन्नयन के साथ इलाहाबाद बाईपास रोड 4 लेन निर्माण	330	449	34.7	जनवरी–18	जनवरी–20
27	रायबरेली	पूर्वी तरफ रायबरेली शहर (चरण–1) के लिए रिंग रोड	24क	303	18	अप्रैल–14	दिसम्बर–18
28	सहारनपुर	सोनाली नदी पर पुल का निर्माण	307	12	1	मई–16	नवम्बर–18
29	सहारनपुर/ पीलीभीत	पुवायां– पुराणपुर खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	730	298	54	अक्टूबर–16	अक्टूबर–18
30	डुमरियागंज	सिद्धार्थनगर– पडरौना खंड का विकास	730	38	34	जून–17	दिसम्बर–18
31	डुमरियागंज	रुधौली खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण (भारत नेपाल सीमा सड़क का पुनर्वास और उन्नयन)	28	393	66	जून–15	फरवरी–18

उत्तर प्रदेश में चल रही सड़क परियोजनाएं

क्रम सख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना विस्तार	राष्ट्रीय राजमार्ग	परियोजना लागत (करोड़ रु)	लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ करने की तिथि	संभावित समापन
32	बलरामपुर	बलरामपुर से तुलसीपुर खंड का पुनर्वास और उन्नयन बलरामपुर बाईपास समेत 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण के साथ	730	213	27	दिसम्बर-18	जून-20
33	महाराजगंज	सिसवा बाबू से रामनगर खंड में 2 लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	730	185	21	दिसम्बर-18	दिसम्बर-19
34	कुशीनगर	कप्तानगंज- पडरौना खंड का 2 लेन पेव्ड शोल्डर विकास	730	264	28	दिसम्बर-18	जून-19
35	फूलपुर / इलाहाबाद	इलाहाबाद बाईपास का 4 लेन पेव्ड शोल्डर विकास और मौजूदा फुटपाथ का पुनर्वास और उन्नयन	96	307	17	दिसम्बर-18	जून-19
36	गोरखपुर	सोनौली-गोरखपुर रोड की 4 लेन चौड़ाई जंगल कौरिया से मोहद्दीपुर तक	29श्व	288	18	दिसम्बर-18	जून-19

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम सख्या	विस्तार	लगभग लंबाई
1	इलाहाबाद–जौनपुर–गोरखपुर	170.00
2	पानीपत–शामली–मुजफ्फरनगर–बिजनौर–नगीना	130.58
3	दिल्ली–सहारनपुर	170.00
4	अमोर–कटारिया– श्रृंगी ऋषि आश्रम– महबूबगंज– गोसाईगंज– तरुण–रामपुर भगन (सूर्य कुंड)– दरब गंज (सीताकुंड)– बीकापुर– भगवती नगर– रेवती गंज ङ्क अस्थाना– आशियाना चौराहा–सिरसिर (जयमेजय कुंड)–अमरगंज–रूदाली–राजागांव–मियान का पुरवा–पतरंगा–अलियाबाद–नियामतगंज–बारेनबाग–कामियार–चरसारी–बहोरीगंज–राजापुर–बाबा सुबिरनदास की कुटी–नरहरदास की कुटी–बेगमगंज–दिकसिर–गोहानी–जरही चौराहा–रामनगर चौराहा (तुलसापुर) नबाबगंज–कल्याणपुर–हैदराबाद–बीरका–रामगढ़–छावनी (एनएच–27 के पास)	275.00
5	शाहजहांपुर बीसलपुर के लिए	49.00
6	बीसलपुर बांदा को बिसंडा के माध्यम से	37.00
7	पुवायन से गोला	51.00
8	गाजियाबाद–नोएडा–फरीदाबाद–सोहना (कुल लंबाई = 72 किमी, हरियाणा = 57 किमी, उप्र = 18 किमी)	18.00
9	नुह–मंडकोला–पलवल–ज्वार–बुलंदशहर (कुल लंबाई = 60 किमी, हरियाणा = 52 किमी, उप्र= 8 किमी)	8.00
10	पलवल–अलीगढ़ (कुल लंबाई = 83 किमी, हरियाणा=17 किमी, उप्र=66 किमी)	66.00
11	फरीदाबाद (खेरी ब्रिज)–जसना–मंझावाली–अट्टा गुजरन–दनकौर–यमुना एक्सप्रेस–वे (कुल लंबाई = 25 किमी। हरियाणा = 17 किमी उप्र = 8 किमी)	8.00
12	गुना– अशोक नगर–चंदेरी के पास मप्र/उप्र सीमा–ललितपुर–राजवाड़ा–बनपुर (मप्र/उप्र सीमा)को टीकमगढ़ एनएच –539 कुल लंबाई = 295, मप्र = 240, उप्र=55)	55.00
13	नागौद–कलिंजर– नारायणी–बांदा और चित्रकूट के बीच एनएच–35 के साथ जंक्शन में समापन (कुल लंबाई=87 किमी, मप्र=56 किमी, उप्र=31 किमी)	31.00
14	बरेली से विस्तार (सिविल लाइंस के पास एनएच–30 में जंक्शन)–बीसलपुर	36.00
15	वेबर से (एनएच –34 पर) फतेहगढ़–मिरानपुर कटरा (एनएच–30 पर) बीसलपुर (एनएच–370 पर) पीलीभीत पर एचएच–730	191.00
16	नवलपुर–उभन क्रॉसिंग से निकलकर सिकंदरापुर–मनियार–बंसदीह जंक्शन एनएच–31 के साथ	108.00
17	इलाहाबाद–कोराओ–हलिया–अवधधाम–पिपरा–मणिगढ़–करोंदिया–बगदरा–चितरंगी–सिंगरौली तक विस्तार करके एनएच–39 पर बैढ़न तक पहुंचेगा। (कुल=176 किमी, उप्र=104 किमी, मप्र=72 किमी)	104.00
18	करमैनी से विस्तार(कम्पैयरगंज के पास एनएच –24 पर जंक्शन) रामनगर–न्योरी (एनएच –28 आजमगढ़ पर जंक्शन)	105.00
19	आगरा से विस्तार करके इस्लाम नगर–जालेसर–एटा के पास एनएच–509 पर जंक्शन (पुलिस लाइन के पास एनएच –34 पर जंक्शन)	79.00
20	बलिया से विस्तार (एनएच–31 के पास जंक्शन) एनए–28 पर मऊ–आज़मगढ़	100.00
21	जौनपुर से खुटहन तक विस्तार (सैयदपुर के पास एनएच–31 तक)	60.00
22	हरदोई–लखनऊ के माध्यम से पलिया शाहजहांपुर तक विस्तार	270.00
23	मथुरा से विस्तार (एनएच–44) हाथरस–बादाऊ–बरेली (एनएच–30 तक)	215.00
24	मुरादाबाद से विस्तार–उप्र/ उत्तराखंड सीमा– जसपुर–काशीपुर (कुल=58 किमी, उप्र=53 किमी, उत्तराखंड=5 किमी)	53.00

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम सख्या	विस्तार	लगभग लंबाई
25	सैदपुर-सादात-जखनिया वाया जलालाबाद होते मरदह	50.00
26	ताड़ीघाट बार – बक्सर (उप्र= 38.20 किमी; बिहार = 10.80 किमी)	38.20
27	अकबरपुर – बसखारी	23.00
28	मुजफ्फरनगर, जानसठ, मिरानपुर एनएच-34	40.00
29	एनएच-34 – जेवर-खुर्जा	34.00
30	मेरठ- गढ़मुक्तेश्वर (एनएच-9 में जंक्शन)	47.00
31	सिकंदरपुर – बलिया	35.00
32	सिकंदराराव के पास एनएच-34 के साथ जालेसर-जंक्शन	25.00
33	गोरखपुर (एनएच-27 में जंक्शन) -पतवाल	32.00
34	महाराजगंज- निचलौल-ठुथिबरी (उप्र से नेपाल सीमा तक)	39.00
35	बस्ती- मेंहदावल-कप्तानगंज	92.00
36	फाजिलनगर-तमकुही-एनएच 727 (ए) पर सलेमपुर तक विस्तारित	52.00
37	सलेमगढ़-सेवरही-पडरौना	49.00
38	ज़मानिया-गहमर	21.00
39	तमकुहिरा (एनएच-28)-बेटिया (एनएच 28 बी)	36.00
40	जौनपुर-मिर्जापुर	70.00
41	वाराणसी – कपसेठी – भदोही – दुर्गगंज – जंघई – मछली शहर	86.00
42	उप्र में पुराणपुर से शुरू हो रहा है और उत्तराखंड राज्य में एनएच-9 पर खतिमा में समाप्त हो रहा है (उप्र में लंबाई- 39.00 किमी, उत्तराखंड-16.00 किमी)	39.00
43	पीलीभीत से खतिमा (उप्र में लंबाई – 23.00, उत्तराखंड -15.00)	23.00
44	जॉय-संभल- बहजोई	72.00
45	मथुरा से भरतपुर-बायाना-हिंडन (उत्तर प्रदेश=24 किमी, राजस्थान=101 किमी)	24.00
46	मथुरा-गोवर्धन-दिग-नगर (राजस्थान = 31 किलोमीटर, उप्र = 31 किमी)	31.00
47	चित्रकूट से मैहर (लंबाई=127, मध्य प्रदेश=125 (87+38), उप्र=2)	2.00
48	आगरा-जगनेर-मासलपुर (उप्र-60.00 और राजस्थान-33.00)	60.00
	कुल	**3,409.78**
49	जंक्शन मानकपुर- गोंडा रोड। एनएच -30 के साथ गोंडा रोड और बबनान-मानकपुर रोड-स्वामीनारायण छपिया मंदिर और समापन पर बबनान रेलवे स्टेशन.- हरया (एनएच-27)	70.00
50	वाराणसी- सिंधोरा- जौनपुर- अकबरपुर- अयोध्या रोड	180.00
51	कन्नौज- बिल्ग्राम- हरदोई और बागौली- मिश्रीख-सीतापुर	129.00
52	बाराबंकी- देवा शरीफ – फतेहपुर- महमूदाबाद – बिसवां- लाहरपुर- लखीमपुर	139.00
53	करनाल (एनएच-44) – सहारनपुर (एनएच-344) (उप्र= 66 किमी)	66.00
54	सतना- कोटर-सेमरिया। निकटतम एनएच 35 के पास गोदाहा (51 किमी) और जवा-शंकरगढ़ के पास (कुल लंबाई = 49 किमी, एमपी= 44, उप्र= 4)	4.00
	कुल	**588.00**
	कुल	**3,997.78**

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

सड़क की कहानी
राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगति का नया दौर

राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास हुआ तेज
राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे की लंबाई में वृद्धि

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
91,287 किमी
वर्ष 2010-2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
1,26,350 किमी
वर्ष 2014-2018

नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण
पिछले 4 साल में 86,371.5 नए और सैद्धांतिक राष्ट्रीय राजमार्ग बढ़ाए गए हैं।

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
वर्ष 2010-2014

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
+
सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई
51,980 किमी
कुल लम्बाई
86,371.5 किमी
वर्ष 2014-2018

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में तेजी

पिछले 4 साल में 2–4 किमी से 28 किमी प्रतिदिन राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण दक्षता में वृद्धि की गई।

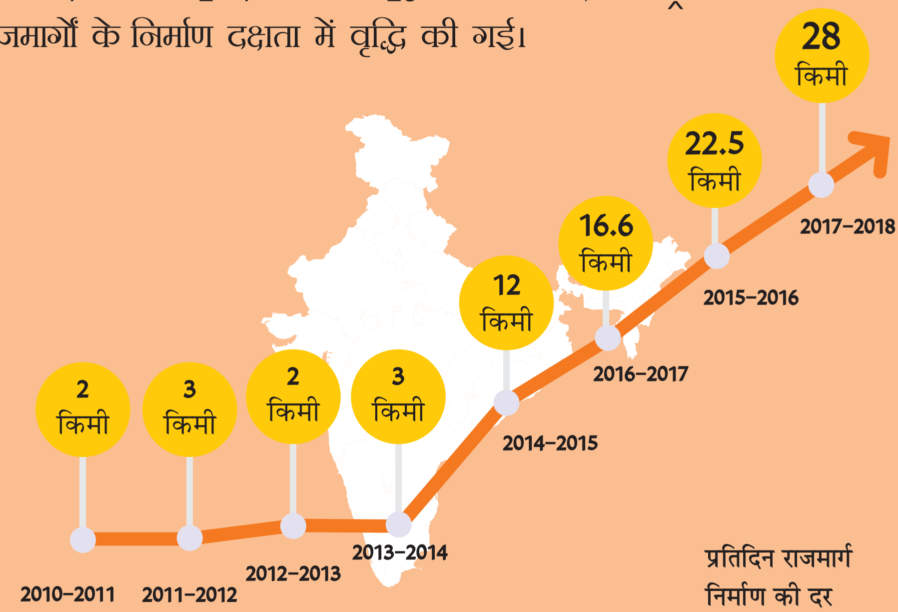

सड़कों का निर्माण

4 वर्षों में सड़क क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश

सड़क निर्माण कार्य में 158% की महत्वपूर्ण वृद्धि

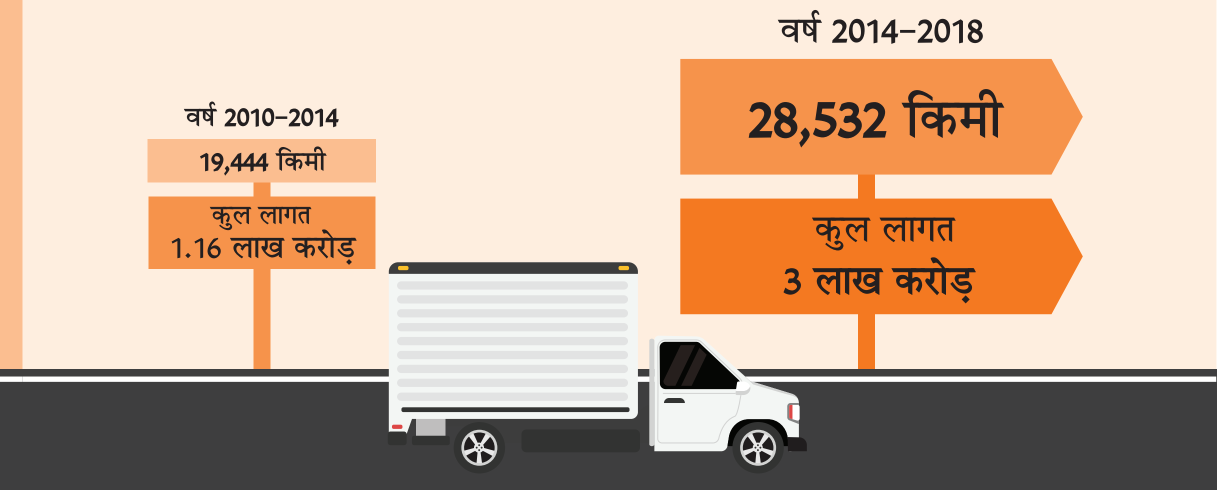

अवार्ड किए गए काम

100% वृद्धि के साथ अवार्ड सड़क पर खर्च की जाने वाली लागत 4.68 लाख करोड़ रूपए

वर्ष 2010–2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
25,609 किमी

कुल लागत
1.62 लाख करोड़

वर्ष 2014–2018

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
51,075.32 किमी

कुल लागत
4.68 लाख करोड़

सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

सेंट्रल रोड फंड (सीआरएफ) कार्यों की लागत में 207.6% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010–2014

935
परियोजनाओं

कुल लागत
8,613.51 करोड़

2,876
परियोजनाओं

कुल लागत
48,186.57 करोड़

वर्ष 2014–2018

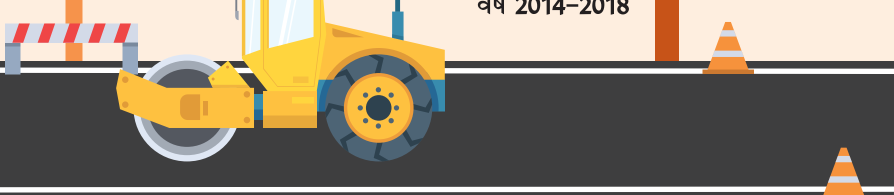

भारतीय परिवहन क्षेत्र में सुधारात्मक पहल

2014–2018 में महत्वपूर्ण प्रयास

पिछले चार वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न तरह की अच्छी कोशिश की गई है। जिसमें पारदर्शी प्रक्रिया, सुदूर क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से जोड़ने, सड़क दुर्घटना में कमी लाने, श्रमिकों को प्रशिक्षण के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए गए हैं।

मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2017: पारदर्शिता लाने, भरष्टाचार को कम करने

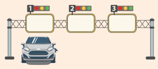

ई–टोलः पारदर्शिता सुनिश्चित करने, फास्टैग प्रणाली, समय–ईंधन की बचत, टोल प्लाजा में लंबी कतारों को कम करने

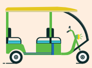

ई–रिक्शाः मानव को मानव द्वारा ढोने की अमानवीय प्रथा को खत्म करने तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने

एलएमवी और एलसीवी ड्राइवरों के लिए वाणिज्यिक लाइसेंस की आवश्यकता से छूट

हर जिले में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खुलेगा, 22 लाख कुशल चालकों की कमी दूर होगी

2017 तक सड़क दुर्घटनाओं से मौत में 0.2% – 15% कमी

सड़क दुर्घटना कम करने के लिए वार्षिक सुरक्षा योजना

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मुआवजा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए की गई

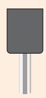

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनजीओ के साथ भागीदारी करना

देश में प्रदूषण की बढ़ रही समस्या को हल करने के लिए ग्रीन ईंधन का विकल्प अपनाने का रास्ता निकाला गया है। इसके लिए बैट्री चालित, इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए गए हैं। वाहनों के प्रदूषण उत्सर्जन मानकों को अपग्रेड किया गया है। जैव ईंधन बी –100, फ्लेक्स–ईंधन ई –85 या ई –100 और इथेनॉल ईडी –95, मेथनॉल एम –15 या एम –100 और मेथनॉल एमडी–95 के साथ बीएस मानदंड मानकीकृत किए गए हैं। भारत में 15% मेथनॉल मिश्रण कर लगभग 31.9 मिलियन टन कच्चे तेल को पेट्रोलियम पदार्थों में बदला जा सकता है। कच्चे तेल की कीमत 54 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है। इससे स्वच्छ ऊर्जा जैव ईंधन के उपयोग से ईंधन लागत में कमी आएगी। स्वच्छ गैसोलीन की तुलना में, एम –15 सीओ और एचसी उत्सर्जन को 40% कम कर देता है। जैव ईंधन भारत में वाहन प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद करेगा।

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम वाहन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करना

वाहनों की फिटनेस की जांच के लिए आदर्श स्वचालित केंद्र स्थापित करना

बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण का कार्यक्रम

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नियमों का सरलीकरण

वाहनों की स्पीड वैश्विक प्रथाओं के अनुसार 100 किमी प्रति घंटा से 120 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाई गई

टैक्सी नीति के लिए नए दिशानिर्देश बनाए गए, जिससे ट्राफिक जाम और दुर्घटना को रोका जा सके

भारत में पहली बार पुलों की गणना की गई है। इसके लिए पुल प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) का गठन किया गया। पिछले तीन साल में देश के अंदर स्थिति सभी पुलों की गणना की गई और उनकी स्थिति का निरीक्षण कर पूरी जानकारी संग्रहित की गई है। देश में अभी तक 1,72,519 पुलों की पूरी जानकारी एकत्र की जा चुकी है। ये पुल कब बने, इस समय किस स्थिति में हैं। उनकी मरम्मत का काम कब होना चाहिए। इससे उन पुलों के रखरखाव और पुर्ननिर्माण का काम आसानी से हो सकेगा।

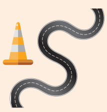

देश में सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए कई तरह के अन्य प्रयासों के साथ सबसे ज्यादा दुर्घटना वाली जगहों की पहचान की गई है। देश में 789 ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उसमें सुधार का काम किया जा रहा है। कुछ जगहों की सड़क की डिजाइन में बदलाव कर सुधारा जा रहा। सूचना चिंह लगाए जा रहे हैं। 265 ब्लैक स्पॉट में सुधार का काम किया जा चुका है।

318 ब्लैक स्पॉट को सुधारने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। पहचान की गई सड़कों में राज्य सरकार की सड़कों को दुर्घटनाविहीन बनाने का विभिन्न चरणों में हैं। राज्य सरकार की सड़कों पर या अन्य एजेंसियों के साथ 139 ब्लैक स्पॉट में 67 ब्लैक स्पॉट पर अलग-अलग काम तेजी से चल रहा है।

मंज़िलें अभी और भी हैं

साफ नीयत
सही विकास

www.nitingadkari.org

www.facebook.com/nitingadkary

www.twitter.com/nitin_gadkari

www.spread.ooo